हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, शनिवार 14 मार्च 2026

12 महिलाओं और युवाओं ने निकाली रैली, दरिंदों को ...

12 पूना परियान नई उड़ान, सेना और पुलिस में...

खबर संक्षेप

शोक संतप्त परिवार को पंचायत ने दी सहायता

सरोना। ग्राम पंचायत सरोना ने सरोना निवासी पुरन जैन के पिता के निधन की जानकारी मिलते ही पंचायत प्रतिनिधियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराया। इसके साथ ही पंचायत की ओर से पुरन जैन को 2000 रुपये की आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की गई, ताकि दुख की इस घड़ी में परिवार को कुछ राहत मिल सके। इस अवसर पर सरपंच दिपिका, उपसरपंच दिनेश सहारे, वार्ड पंच मुकेश रजक, रामभरोस मंडावी सहित पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अंतागढ़ के आशिफ को मिला 8 वां रैंक

अंतागढ़। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित की गई सीजीपीएससी द्वारा अधीक्षक, बाल देखरेख संस्था भर्ती परीक्षा में अंतागढ़ के होनहार युवक आशिफ खान ने 8 वीं रैंक हासिल की है। प्रारंभिक और स्कूली शिक्षा अंतागढ़ के शासकीय संस्थानों से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने बीकॉम अंतागढ़ से तथा एमए समाजशास्त्र शासकीय महाविद्यालय भानुप्रतापपुर से पूर्ण किया। वे साधारण परिवार से आते हैं, उनके पिता अंतागढ़ में फल व्यवसाय से जुड़े हैं और पूर्व में उपसरपंच भी रह चुके हैं।

गैस सिलेंडर की जमाखोरी पर होगी कार्रवाई, कलेक्टर ने एजेंसियों को दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में गैस सिलेंडरों की सुचारू उपलब्धता और उपभोक्ताओं को समय पर वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने शुक्रवार को गैस एजेंसी संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को होने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने एजेंसी संचालकों को निर्देशित किया कि जिले में गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आयोजित बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग के दौरान आने वाली सर्वर संबंधी समस्याओं का समाधान जल्द किया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को बुकिंग में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि कमर्शियल गैस की सतत आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यक होने पर ऑयल कंपनियों से पत्राचार किया जाए, ताकि व्यापारिक प्रतिष्ठानों को गैस की कमी का सामना न करना पड़े। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के लिए शासन द्वारा समय-सीमा निर्धारित की गई है। शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 45 दिन की ⏭ शेष पेज 10 पर

कांकेर में गैस वितरण व्यवस्था पर प्रशासन की नजर

जमाखोरी से बचने दी सलाह

कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से अपील की कि घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडरों की अनावश्यक जमाखोरी से बचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था गैस सिलेंडरों की जमाखोरी करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से यह भी कहा गया कि गैस एजेंसियों में अनावश्यक भीड़-भाड़ न करें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही गैस सिलेंडर प्राप्त करें।

कांकेर में 20 नक्सली शेष और मात्र 18 दिन बाकी, आपरेशन पर फोर्स मुस्तैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

नक्सलियों के खात्मे की तय डेडलाइन 31 मार्च नजदीक आती जा रही है और इसके साथ ही पुलिस और सुरक्षा बलों पर दबाव भी बढ़ता जा रहा है। इसी दबाव और रणनीति के तहत कांकेर पुलिस ने एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें करीब 1200 जवानों ने डेढ़ दिन तक जंगलों की खाक छानी। लक्ष्य था जिले में सक्रिय बचे हुए 20 नक्सलियों को ढूंढ निकालना, उन्हें समर्पण के लिए मजबूर करना या जरूरत पड़ने पर मुठभेड़ में खत्म करना। घने जंगल, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और नक्सलियों की गहरी पकड़ ने इस अभियान को और चुनौतीपूर्ण बना दिया।

कांकेर जिले में सक्रिय नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। 31 मार्च तक नक्सलियों के खात्मे की तय डेडलाइन को देखते हुए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी हैं। इसी कड़ी में कांकेर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के लगभग 1200 जवानों ने 11 मार्च की रात को कोयलीबेड़ा क्षेत्र के जंगलों में एक बड़ा सर्च ⏭ शेष पेज 10 पर

खास बातें

- घने जंगल, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और नक्सलियों की गहरी पकड़ है अभियान की चुनौती
- 31 मार्च तक नक्सलियों के खात्मे की तय डेडलाइन के अनुसार आपरेशन जारी

सर्च आपरेशन में पुलिस खंगाल रही डंप

जानकारी के अनुसार नक्सली अक्सर जंगलों के भीतर सुरक्षित स्थानों पर हथियार, विस्फोटक सामग्री, दवाइयां, राशन और दैनिक उपयोग की सामग्री छिपाकर रखते हैं, जिन्हें डंप कहा जाता है। सर्चिंग के दौरान जवानों ने ऐसे कई संदिग्ध स्थानों की गहन जांच भी किया। फोर्स जंगल के भीतर छोटे-छोटे गड्ढों, झाड़ियों और पहाड़ी इलाकों में छिपाए गए संभावित डंप की बारीकी से तलाशी ले रहे हैं, ताकि नक्सलियों के नेटवर्क को कमजोर किया जा सके।

आत्मसमर्पण का अभी भी है मौका

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा का कहना है कि इस तरह का अभियान आने वाले समय में लगातार चलता रहेगा, आने वाले दिनों में भी इससे बड़े ऑपरेशन भी चलाए जाएंगे। नक्सलियों के पास अभी भी आत्मसमर्पण करने के लिए समय है। कांकेर जिले के किसी भी थाने या पुलिस के वाटसएप नंबर पर संपर्क करके समर्पण के लिए सामने आ सकते है।

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन कर सरकार को कोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और कथित किल्लत को लेकर प्रदेश में सियासत गरमा गई है। इसी मुद्दे पर कांकेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। हाथों में गैस सिलेंडर और बैनर लेकर कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर आम जनता की जेब पर डाका डालने का आरोप लगाया और बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लेने की मांग की। कांकेर के नया बस स्टैंड स्थित गैस एजेंसी के सामने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर शहर, कांकेर ग्रामीण और शहर महिला कांग्रेस के ⏭ शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

आत्मानंद स्कूल में मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट स्किल प्रोग्राम संपन्न

दुर्गूकोंदल। पीएमश्री शासकीय स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय दुर्गूकोंदल में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ट्रेड के अंतर्गत सेक्टर स्किल सर्टिफिकेशन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में व्यावसायिक कौशल विकसित कर उन्हें भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए तैयार करना है। शिवकुमार शर्मा द्वारा विद्यार्थियों की तकनीकी समझ और व्यावहारिक कार्यकुशलता का परीक्षण कर उन्हें प्रमाणन प्रदान किया गया। प्राचार्य अजय नेताम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी कौशल करियर निर्माण के लिए अनिवार्य है प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास और स्वरोजगार की समझ विकसित करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

एक दिनी प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 17 को

कांकेर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोड़ेजुंगा में एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 17 मार्च को सुबह 11 से अपरान्ह 03 बजे तक किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा 185 रिक्तियों के आधार पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी बीआर ठाकुर ने बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में फिल्ड ऑफिसर के 30 पद, सिक्युरिटी गार्ड के 50 पद, फायर मेन के 20 पद, फुड पेकिंग के 25, वाहन चालक के 10 और होक केयर के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी।

वेतनमान सुधार व पदनाम परिवर्तित करने की मांग

सरोना। छत्तीसगढ़ राज्य के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के वेतनमान में सुधार और पदनाम परिवर्तन की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। इस संबंध में कर्मचारियों की ओर से सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव तथा वेतन विसंगति निराकरण समिति को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य निर्माण के बाद से ही लिपिक संवर्ग के वेतनमान में लगातार विसंगतियां बनी हुई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। इस विषय को लेकर लिपिक संघ द्वारा लगातार शासन से संपर्क किया जा रहा है और विभिन्न स्तरों पर मांग रखी जा रही है।

माता कर्मा जयंती 15 को मनायी जाएगी

भानुप्रतापपुर। साहू समाज के द्वारा 15 मार्च को हर्षोल्लास के साथ कर्मा जयंती मनाया जाएगा। कार्यक्रम कर्मा मंदिर प्रांगण भानुप्रतापपुर में आयोजित कि जाएगी। परिक्षेत्र साहू समाज भानुप्रतापपुर एवं संबलपुर द्वारा कर्मा जयंती का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ समाज के लोगों का सामूहिक मिलन होगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे महाआरती से होगी। इसके बाद सुबह साढ़े 11 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी।

पति की डूबने से मौत पर आर्थिक मदद मंजूर

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए चारामा तहसील के ग्राम खैरखेड़ा निवासी 42 वर्षीय देवल राम उसेण्डी की बांध के केनाल डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता बाई के लिए चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान तहसीलदार चारामा द्वारा हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया जाएगा।

सम्मान : मानवीय संवेदनाओं की मिसाल

दिवंगत पुलिस कर्मियों के परिजनों को मिली 10-10 लाख की आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

मानवीय संवेदनाओं और पुलिस कर्मियों के प्रति सम्मान का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पुलिस विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त प्रयास से दिवंगत पुलिस कर्मचारियों के परिजनों को आर्थिक संबल प्रदान किया गया। पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत चार दिवंगत पुलिस कर्मचारियों के वैध उत्तराधिकारियों को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक सौंपे गए, जिससे परिवारों को कठिन समय में आर्थिक सहारा मिल सके।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के पुलिस कर्मियों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू के तहत निःशुल्क पुलिस सैलरी पैकेज लागू किया गया है। इस योजना के अंतर्गत पुलिस कर्मियों को विभिन्न वित्तीय सुरक्षा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसी व्यवस्था के तहत इस इकाई के दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को टर्म जीवन बीमा कवरेज के रूप में सहायता राशि प्रदान की

गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा एवं भारतीय स्टेट बैंक शाखा कांकेर के ब्रांच मैनेजर ऋषि कटियार द्वारा दिवंगत प्रधान आरक्षक फूलजेंस पन्ना, सहायक उप निरीक्षक माखनलाल सेठिया, आरक्षक रघुवीर बघेल एवं आरक्षक कौशल ध्रुव के वैध उत्तराधिकारियों को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। सहायता राशि पाकर परिवारजनों ने शासन, पुलिस विभाग और बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने इस दौरान परिजनों से चर्चा करते हुए उन्हें प्राप्त राशि का उपयोग आवश्यक एवं महत्वपूर्ण कार्यों में करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने सायबर फ्रॉड से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक से बचने के लिए जागरूक भी किया। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के ब्रांच मैनेजर ऋषि कटियार को पुलिस विभाग के साथ निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रकार की सहायता राशि न केवल दिवंगत पुलिस कर्मचारियों के परिवारों के लिए संबल का कार्य करती है, बल्कि यह राज्य शासन की पुलिस कर्मियों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक विंकेश्वरी पिंदे, मुख्य लिपिक विजय देवांगन, वेतन शाखा प्रभारी राजेश भास्कर, अन्य कार्यालयीन स्टाफ तथा दिवंगत कर्मचारियों के परिवारजन उपस्थित रहे।

5 गांवों में पुलिस की पहल से व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर सीधे संपर्क की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

मोर मितान कांकेर पुलिस के अंतर्गत ग्रामीणों की पुलिस तक सीधी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना दुर्गूकोदल क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पुलिस द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को इस व्यवस्था की जानकारी दी जा रही है।

थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद यादव के नेतृत्व में दुर्गूकोंदल थाना क्षेत्र के दुर्गूकोंदल, भंडारडिग्गी, डांगरा, खुटगांव और घोटिया गांवों में पुलिस टीम ने पहुंचकर ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान बीट प्रभारी एवं बीट आरक्षक अवध नाग, रविशंकर प्रधान, मनोज टेकाम, गजेंद्र गैणडरे और द्वारिका दुग्गा को ग्रामीणों से रूबरू कराया गया, ताकि गांव के लोग अपने क्षेत्र के पुलिस कर्मियों को पहचान सकें और किसी भी समस्या या जानकारी को सीधे साझा कर सकें। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को बीट प्रणाली की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया और गांवों में पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही गांवों के प्रतिनिधियों, युवाओं और बच्चों को जोड़ते हुए व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाए गए, जिससे किसी भी आपराधिक गतिविधि, कानून व्यवस्था से संबंधित समस्या या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी तुरंत पुलिस तक पहुंचाई जा सके।

इस दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर क्राइम से बचाव, यातायात नियमों का पालन, नशा मुक्ति, महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मोर मितान पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ाना है, ताकि समाज में सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखा जा सके।ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए पुलिस के साथ सहयोग करने और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का भरोसा दिलाया।

सेमरगांव पेन कर्रसाड़ स्थल का किया कलेक्टर और सीईओ ने निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले के अंतागढ़ विकाखण्ड में आमाबेड़ा के पास स्थित ग्राम सेमरगांव में प्रत्येक तीन साल बाद चौथें साल में आयोजित होने वाले पेन कर्रसाड़ स्थल का निरीक्षण कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने शुक्रवार को किया एवं समाज के लोगों से चर्चा कर कर्रसाड़ स्थल एवं मेला स्थल में आवश्यक सुविधाएं मुहैय्या कराने के लिए भरोसा दिलाया।

ग्रामीणों द्वारा कांकेर से आमाबेड़ा होते हुए सेमरगांव और कोरर से सेमरगांव एवं अंतागढ़ से सेमरगांव तथा केशकाल से सेमरगांव तक परिवहन के साधन की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया, जिस पर कलेक्टर ने समुचित कार्यवाही करने की बात कही। कर्रसाड़ स्थल एवं मेंला स्थल में पेयजल व्यवस्था भी की जा रही है। कलेक्टर एवं सीईओ ने कर्रसाड़ स्थल के नजदीक बागझर नाला में बनाए गए स्टाफ डेम का अवलोकन किया एवं पानी के संग्रहण के लिए बोरी बंधान करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। पार्किंग स्थल के चयन के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आवश्यक सहयोग किया जाएगा। कर्रसाड़ स्थल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहें।

भाजपा समाज को नशाग्रस्त कर देना चाहती है : नितिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

भाजपा की विभाजनकारी राजनीति के लिए आवश्यक है कि वे समाज को नशाग्रस्त कर रखें। कांग्रेस नेता नितिन पोटाई ने आरोप लगाया कि राज्य में शराब, गांजा, अफीम और अन्य नशीले पदार्थों का कारोबार तेजी से फैल रहा है जिससे प्रदेश की युवा पीढ़ी नशे के गिरफ्त में आती जा रही है। भाजपा नेताओं का चाल,चरित्र अब जनता के सामने उजागर हो गया है, उनके चेहरे से मुखौटा उतर गया है।

सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण के बिना खुलेआम अफीम की खेती संभव नहीं है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने नशाबंदी का विरोध करने वाले भाजपा के पदाधिकारी अब अफीम की खेती कर रहे है। अफीम की खेती समाज में युवा पीढ़ी को नशाग्रस्त कर रखने के साथ अनैतिक रूप से भाजपा नेता की कमाई भी जुड़ा हुआ है। भाजपा समाज को पंगु बना देना चाहती है ताकि समाज के लोग नशीली पदार्थों की नशा में या धर्म की नशा में चूर हो जाए और समाज के घटित होने वाले अनैतिक कार्य का विरोध न कर सके भाजपा समाज को दिमागी रूप से कुंद बना देना चाहती है। नितिन पोटाई ने कहा है कि अफीम की खेती करने वाले भाजपा नेता को गिरफ्तार करने के बदले उनसे नौकर गिरफ्तार करना इस बात को ही साबित करता है कि भाजपा कितना गरीब का दुश्मन है। मोदी देश में भ्रष्टाचार को खत्म करने का हुंकार भरते नहीं थकते थे आज देश के सभी भ्रष्टाचारी भाजपा का हिस्सा बन बैठे है। लोगों को लच्छेदार भाषणों से गुमराह और भ्रमित करना फासीवादी राजनीति का एक अहम विशेषता है।

जेपी इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया दूसरी ग्रेजुएशन डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जेपी इंटरनेशनल स्कूल में 13 मार्च को कक्षा दुसरी के विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन डे बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय का वातावरण उत्सवमय रहा और अभिभावक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से की गई। इसके पश्चात कुमारी मीनाक्षी कुलदीप द्वारा स्वागत भाषण वेलकम स्पीच प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित जनों का हार्दिक स्वागत किया।

आयोजित कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। बच्चों ने नृत्य और गीत के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा, अनुशासन और अच्छे संस्कार ही जीवन में सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मेहनत, आत्मविश्वास और लगन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य रितेश कुमार चौबे, डायरेक्टर शंकर गिदवानी तथा अकादमिक एडवाइजर गोविंद मुदलियार ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अलीफा फातिमा और शालिनी तिवारी ने अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से किया, जिससे पूरा कार्यक्रम सुव्यवस्थित और रोचक बना रहा। ग्रेजुएशन समारोह के दौरान कक्षा दुसरी के विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन कैप पहनाकर तथा सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का रहा। कार्यक्रम के मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा नवनीत पटेल और वंदना पटेल उपस्थित रहे एवं दीपिका विज द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कर्मचारी चयन मंडल गठन का निर्णय युवाओं के लिए ऐतिहासिक : मटियारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में संपन्न राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के गठन को स्वीकृति दिए जाने के निर्णय का छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। भरत मटियारा ने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय प्रदेश के युवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है। कर्मचारी चयन मंडल के गठन से राज्य सिविल सेवा परीक्षा को छोड़कर अधिकांश शासकीय भर्तियां एक ही मंच के माध्यम से संपन्न होंगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद वर्तमान छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल व्यापम के स्थान पर कर्मचारी चयन मंडल कार्य करेगा, जो भर्ती तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि नए मंडल के माध्यम से विभिन्न विभागों की समान प्रकृति की परीक्षाओं को एक साथ आयोजित करने की व्यवस्था की जाएगी तथा परीक्षा कैलेंडर जारी कर तय समय-सीमा में परीक्षाएं एवं परिणाम घोषित किए जाएंगे। इससे युवाओं को लंबे समय तक परिणाम की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं

विश्वास बढ़ेगा। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। कर्मचारी चयन मंडल का गठन निश्चित रूप से प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, विशेषकर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में समान अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री सहित राज्य मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल प्रदेश में पारदर्शी, विश्वसनीय और समयबद्ध भर्ती प्रणाली स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

कृषक खेत पाठशाला में किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरहरपुर

विकासखंड नरहरपुर के ग्राम बतबनी में एक्सटेंशन रिफॉर्म्स आत्मा योजना के अंतर्गत कृषक खेत पाठशाला के अंतिम चरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से परिचित कराना तथा वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत रोशन कुमार निषाद ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर नरहरपुर द्वारा की गई। उन्होंने कृषक खेत पाठशाला के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के माध्यम से किसानों को खेती के नवीन तरीकों, उन्नत बीज, उर्वरक प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाता है, जिससे किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक जग्गू

राम टेकाम ने अपने खेती के अनुभव साझा करते हुए किसानों को नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महिला एवं पुरुष मिलाकर लगभग 25 किसान कार्यक्रम में शामिल हुए और विभिन्न कृषि विषयों पर जानकारी प्राप्त की। इसके बाद दिनेश कुमार कुंजाम वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरहरपुर ने कृषक खेत पाठशाला के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा कृषि प्रसार तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रतिभाशाली किसानों के खेतों में फार्म स्कूल स्थापित करने की संस्तुति की गई है। यह पाठशाला करके सीखने और देखकर विश्वास करने के सिद्धांत पर आधारित है, जिससे किसान व्यावहारिक रूप से नई तकनीकों को समझ सकें। उन्होंने किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. कोमल सिंह केराम, विषय वस्तु विशेषज्ञ कृषि विज्ञान केंद्र कांकेर ने किसानों को मृदा परीक्षण, भूमि सुधार, जैविक खाद एवं कंपोस्ट खाद के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वैज्ञानिक पद्धति से चना, गेहूं और सूरजमुखी की खेती, बीज उपचार, उर्वरक की उचित मात्रा तथा खरपतवार नियंत्रण के तरीकों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया और साथ ही खेत भ्रमण के दौरान चना, गेहूं और सरसों की फसलों में लगने वाले रोगों एवं कीटों की पहचान, उनके लक्षण तथा रोकथाम के उपाय भी बताए। कार्यक्रम में उपसरपंच जोहित शोरी, वार्ड पंच सोहन मंडावी, ग्राम प्रमुख कैलाश ध्रुव, मनीष वर्मा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरही, मनोज सलाम कृषक मित्र देवगांव तथा जागेश्वर यादव कृषक मित्र मरवाड़ी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

■ नवीन तकनीक, उन्नत बीज, उर्वरक प्रबंधन से अवगत कराया

गैस सिलेंडर की पूर्ति में मोदी और साय सरकार फेल : मनदीप कौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

नगर पंचायत भानुप्रतापपुर की वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद मनदीप कौर ढींढसा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि मोदी सरकार व साय सरकार लोगों को लाइन लगाने का नया-नया तरिका इजात करती है। कभी बैंकों में लाइन लगवाती है, कभी वैक्सीन के लिए लाइन लगवाती है व अब बारी है गैस सिलेंडर की।

गैस सिलेंडर को लेकर पूरे देश में एक भय का माहौल है खासकर महिलाओं को जिन्हें अपनी रसोई पर सबसे ज्यादा जरूरत गैस की होती है। केंद्र की मोदी सरकार व राज्य की साय सरकार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने में असक्षम है। गैस सिलेंडर की बुकिंग न होने के कारण लोग परेशान है बिना बुकिंग के सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है व ऑनलाइन बुकिंग हो भी नहीं रहा है, जिससे ग्रहणियां बहुत ही परेशान है कि वह घर की व्यवस्था को देख की गैस सिलेंडर के लिए लाइन पर खड़े हो। एक तरफ साय सरकार दारू बेचने में व्यस्त है, जिसे जनता की तकलीफ व महिलाओं की तकलीफ से कोई सरोकार नहीं है। ऐसी निकम्मी सरकार राज्य में है, जिसको जनता का दुख दर्द और तकलीफ से कोई सरोकार नहीं है। सिर्फ और सिर्फ नशे के सामान बेचने पर लगी हुई है। दारू भट्टी से लेकर अफीम की पैदावार तक पूरी सरकार इसमें संलिप्त नजर आती आ रही है। आने वाले समय में इन सब जनविरोधी कार्यों का मुंह तोड़ जवाब इस सरकार को उखाड़ फेंक कर देगी।

पेज 9 के शेष...

गैस सिलेंडर की...

अवधि तय की गई है। निर्धारित अवधि के अनुसार उपभोक्ता गैस सिलेंडर की बुकिंग कर समय पर सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा जिले में गैस वितरण व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है और सभी एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

कांकेर में 20 नक्सली...

ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों के अनुसार जिले में अब करीब 20 नक्सली सक्रिय बचे हुए हैं। इन्हीं नक्सलियों को तलाशने के उद्देश्य से सुरक्षा बलों को अलग-अलग टीमों में बांटकर जंगलों में उतारा गया था। जवानों ने पूरी रात और अगले दिन तक लगातार जंगलों में सर्चिंग की। करीब डेढ़ दिन तक चलने वाले इस अभियान के दौरान जवानों ने कई किलोमीटर पैदल चलकर दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों की तलाशी ली। सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने नक्सलियों की संभावित मौजूदगी वाले कई इलाकों को घेरा, लेकिन नक्सली पहले ही वहां से निकल चुके थे। माना जा रहा है कि नक्सलियों को सुरक्षा बलों की मूवमेंट की भनक पहले ही लग गई थी, जिसके चलते वे जंगल के अंदरूनी हिस्सों में खिसक गए। जानकारी के मुताबिक, यह अभियान बेहद संवेदनशील और जोखिम भरा था। कोयलीबेड़ा क्षेत्र लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहा है और यहां की भौगोलिक परिस्थितियां भी चुनौतीपूर्ण हैं। घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां और सीमित संपर्क व्यवस्था के कारण जवानों को सर्चिंग के दौरान काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

गैस सिलेंडर की...

नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर हाथों में लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गैस की बढ़ती कीमतों व सप्लाई की कमी को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गैस की लगातार बढ़ती कीमतों और सप्लाई में कमी से आम जनता परेशान है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर ग्रामीण के अध्यक्ष लोमेंन्द्र यादव ने भी सरकार पर आम लोगों की परेशानियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ गैस की सप्लाई कम हो रही है और दूसरी तरफ कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग का जीवन मुश्किल हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं ली गईं तो कांग्रेस पार्टी बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होगी। आयोजित प्रदर्शन में प्रदेश महामंत्री नरेश ठाकुर, जिला महामंत्री उदय शर्मा, भारती सलाम, सुनील गोस्वामी, गोमती सलाम, अजय भासवानी, मनोज जैन, मुकेश तिवारी, विनोद शोरी, सोमेश सोनी, टुकेश्वर साहू, चंद्रलोक ठाकुर, ओमप्रकाश देवांगन, संग्राम नेताम, सुरेश नाग, पंचुराम सलाम, किसन साहू, सत्यार्थ करायत, नरसिंह तेता, चमन साहू, महेन्द्र नायक, सिया सिंहा, शकुंतला साहू, रूपा सिंहा, आनंद चौरसिया, विजय यादव, राजेश नेताम, साधना सलाम सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

14 जोड़े बंधे विवाह के बंधन में

बस्तर। विकासखंड बकावंड के अंतिम छोर ग्राम पाथरी में गायत्री परिवार द्वारा नव चेतना गायत्री महायज्ञ पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के व सुदूर अंचलों से बड़ी संख्या में गायत्री साधक एवं ग्राम वासियों ने भाग लिया। साथ ही यहां 14 जोड़ों का आदर्श विवाह निशुल्क कराया गया।

छात्र की संदिग्ध मौत पर कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

दोरनापाल। सुकमा जिले के पोलमपल्ली बालक छात्रावास में छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना को गंभीर मानते हुए जिला कांग्रेस कमेटी सुकमा ने मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने बताया कि समिति का उद्देश्य घटनास्थल का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेना है। समिति छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों, मृत छात्र के परिजनों, छात्रावास प्रबंधन तथा संबंधित अधिकारियों से जानकारी जुटाकर तथ्यों के आधार पर जांच करेगी और रिपोर्ट जिला कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी। जांच समिति में सुश्री बबीता मंडावी को संयोजक बनाया गया है। वहीं युथपति यादव, सुखराम यादव, देवा मंडावी, सविता कच्चे, धर्मेन्द्र चौहान और देवा मड़काम को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति को निर्देश दिया गया है कि वह जल्द से जल्द घटनास्थल का निरीक्षण कर 3 से 5 दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे, ताकि आगे आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

स्टेम लैब व स्मार्ट क्लासरूम उन्मुखीकरण कार्यक्रम

दंतेवाड़ा। शासकीय आवासीय कन्या पोटा केबिन कारली में स्टेम फार गर्ल्स परियोजना के तहत'स्टेम लैब एवं स्मार्ट क्लासरूम उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। जिले के 13 चयनित विद्यालयों में से 11 विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 वीं के विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को स्टेम लैब एवं स्मार्ट क्लासरूम के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना तथा कक्षा में हैंड्स-ऑन एवं प्रयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा देना था। इस दौरान शिक्षकों को स्टेम लैब के उपकरणों से विज्ञान प्रयोगों का प्रदर्शन, स्मार्ट टीवी के उपयोग का प्रशिक्षण, हैंड्स-ऑन गतिविधियां, कक्षा नियोजन में एआई का उपयोग तथा पद्मश्री अरविंद गुप्ता के वीडियो का प्रदर्शन किया गया। यह परियोजना शिक्षार्थ ट्रस्ट द्वारा भारत केयर्स के एंकरशिप और एचडीएफसी परिवर्तन के सहयोग से जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में चलाई जा रही है।

नन्हें कदमों की स्कूल वापसी, जब कलेक्टर खुद पहुंचे महुआ बीन रही 'मंगली' के द्वार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दोरनापाल

बस्तर के सुदूर अंचलों में शिक्षा की लौ जलाने के लिए प्रशासन अब केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर उतरकर भविष्य संवारने में जुटा है। कलेक्टर अमित कुमार के हालिया दौरे में एक ऐसी ही दिल को छू लेने वाली तस्वीर सामने आई, जिसने यह साबित कर दिया कि एक संवेदनशील नेतृत्व किस तरह बदलाव की नींव रखता है।

गुरुवार को जब कलेक्टर मारोकी, मानकापाल, परिया और कुचारास जैसे दूरस्थ गांवों के दौरे पर थे, तब उनकी नजर सड़क किनारे महुआ बीनती एक छोटी बच्ची पर पड़ी। भीषण गर्मी में जहां बच्चे महुआ इकट्ठा करने में व्यस्त थे, कलेक्टर ने अपना काफिला रुकवाया और सीधे खेतों के बीच पेड़ के पास पहुंच गए। कलेक्टर ने बड़े ही आत्मीय भाव से बच्ची से बात की।

बच्ची ने अपना नाम मड़कामी मंगली बताया। जब उससे स्कूल न जाने का कारण पूछा गया, तो मासूमियत और अभाव की कहानी सामने आई। कलेक्टर ने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा संसाधनों या जागरूकता के अभाव में शिक्षा की मुख्यधारा से न छूटे। महुआ बीनने वाले हाथ कलम थामेंगे, तभी सुकमा का असली विकास होगा। लगातार पालक-शिक्षक बैठक आयोजित किया जा रहा है। शिक्षक भी लगातार ड्राप आउट बच्चों के घर जाकर समझा रहे हैं।

कलेक्टर मंगली से बात कर नहीं रुके, बल्कि उसके माता-पिता से मिलने सीधे उसके घर पहुंच गए। उन्होंने पालकों को समझाया कि शिक्षा ही वह एकमात्र रास्ता है जिससे उनके बच्चों का जीवन संवर सकता है। उन्होंने पालक से पूछा कि बच्चे को स्कूल भेजने में कोई दिक्कत है क्या। कलेक्टर की समझाइश और आत्मीयता का असर यह हुआ कि मंगली के माता-पिता उसे तुरंत स्कूल भेजने के लिए राजी हो गए।

मौके पर ही दिए दाखिले के निर्देश

कलेक्टर अमित कुमार ने केवल संवाद नहीं किया, बल्कि तत्काल समाधान भी सुनिश्चित किया। उन्होंने मौके पर मौजूद बीआरसी को निर्देश दिए कि मंगली के साथ-साथ वहां मौजूद एक अन्य बालक माड़वी देवा का भी नियमित स्कूल जाना सुनिश्चित किया जाए और उन्हें आवासीय विद्यालय में भर्ती किया जाए। इस अवसर पर जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर भी उपस्थित थे। प्रशासन के इस जमीनी और भावनात्मक प्रयास की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

चित्रकोट जलप्रपात की धार पतली, किसानों ने इंद्रावती नदी के एनीकट में डाली मिट्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

बस्तर क्षेत्र में इन दिनों इंद्रावती नदी को लेकर एक चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है। एक ओर किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए नदी पर बने एनीकेटों में खुद मिट्टी और रेत से भरी बोरियां डालकर अस्थायी बांध बना रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का जल प्रवाह लगातार कम होता जा रहा है।

हालात ऐसे बन गए हैं कि कुछ स्थानों पर जलप्रपात में पानी गिरना कम होने की स्थिति तक पहुंच गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय किसानों का कहना है कि इंद्रावती नदी पर बने कई एनीकट लंबे समय से जर्जर अवस्था में हैं।

- **एनीकट का मरम्मत नहीं होने से पानी बहकर निकल रहा**

समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण उसमें दरारें पड़ चुकी हैं और पानी लगातार बहकर निकल जाता है। इससे पानी का भंडार नहीं हो पा रहा है, जिसका सीधा असर खेती पर पड़ रहा है। सिंचाई के अभाव में किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति भी कमजोर होती जा रही है। इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल ने बताया कि एनीकटों की खराब हालत और प्रशासन की अनदेखी के कारण किसानों को मजबूरी में खुद ही मरम्मत का काम करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों ने कई बार जल संसाधन विभाग, जिला प्रशासन और राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपकर एनीकटों की मरम्मत की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

ग्रामीणों के अनुसार एनीकट की टूटी संरचना के कारण पानी लगातार बहकर नदी में चला जाता था, जिससे खेतों तक पानी पहुंच ही नहीं पाता था। इस समस्या से निपटने के लिए किसानों ने खुद ही मिट्टी और रेत की बोरियों से एनीकट को अस्थायी रूप से पाट दिया, ताकि पानी को रोका जा सके और खेतों के लिए पानी बचाया जा सके। हालांकि इस कदम का एक दूसरा असर भी सामने आया है। नदी के प्राकृतिक प्रवाह में कमी आने के कारण चित्रकोट जलप्रपात में गिरने वाले पानी की मात्रा भी कम हो गई है। इस बीच इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शरद अवस्थी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर किसानों के हित में काम करने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर बयां कर रही है। किसान आज भी सिंचाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई जगह ग्रामीणों को स्वयं चंदा इकट्ठा कर अस्थायी मरम्मत करनी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते एनीकटों की मरम्मत कर दी जाती तो उन्हें इस तरह के कदम उठाने की जरूरत नहीं पड़ती और नदी का प्राकृतिक प्रवाह भी प्रभावित नहीं होता।

जर्जर एनीकटों की मरम्मत कराई जाए

इसी मुद्दे पर बस्तर जनपद सदस्य हेमराज बघेल ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इंद्रावती नदी बस्तर की जीवन रेखा है और इसके एनीकटों की अनदेखी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बघेल ने कहा कि किसानों को अपनी मेहनत और पैसे से एनीकट की मरम्मत करना पड़ रहा है, जो प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। उनका कहना है कि यदि समय पर मरम्मत होती तो न किसानों को परेशानी होती और न ही चित्रकोट जलप्रपात के जल प्रवाह पर असर पड़ता। उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द एनीकटों की मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का यह भी कहना है कि बस्तर जिले से ही राज्य के जल संसाधन मंत्री का निवास जुड़ा होने के बावजूद इंद्रावती नदी की ऐसी स्थिति होना चिंता का विषय है। क्षेत्र के किसान लगातार मांग कर रहे हैं कि इंद्रावती नदी पर बने सभी जर्जर एनीकटों की जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि सिंचाई व्यवस्था सुधर सके और नदी का प्राकृतिक प्रवाह भी बना रहे। ग्रामीणों और किसानों ने सरकार से जल्द हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही एनीकटों की मरम्मत नहीं हुई तो आने वाले समय में खेती के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक धरोहरों पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। साथ ही पर्यटन पर निर्भर स्थानीय लोगों की आजीविका भी प्रभावित होने की आशंका है।

कृषि विकास की नई रणनीति पर चर्चा

नदियों पर बैराज निर्माण से बढ़ेगा सिंचित क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जिला बीजापुर में कृषि एवं समवर्गीय विभागों की गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से 12 मार्च को कृषि विज्ञान केन्द्र, बीजापुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्ष सुरेश कुमार चन्द्रवंशी ने की। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लेते हुए कृषि, पशुपालन, मछली पालन एवं उद्यानिकी क्षेत्र के विकास और विस्तार से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में कृषि विभाग के उप संचालक पीएस कुशरे कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख अरूण सकनी, पशुधन विकास विभाग के उप संचालक राजीव वर्मा, सहायक संचालक उद्यान रामचन्द्र राव, मछली पालन विभाग के दामोदर यालम सहित जल संसाधन विभाग, विद्युत विभाग, जिला विपणन एवं आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग, किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा कृषि से जुड़े अन्य क्षेत्रों में गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही पशुपालन, मछलीपालन और उद्यानिकी को आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इस दौरान जिले में बहने वाली नदियों पर बैराज निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि बैराज निर्माण से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे अधिक कृषि भूमि सिंचित हो सकेगी और किसानों को खेती के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किसानों तक अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

असाक्षरों को महापरीक्षा में शामिल होने करें प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

आगामी 22 मार्च को आयोजित होने वाली उल्लास महापरीक्षा के सफल संचालन को लेकर बस्तर ब्लॉक में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में बस्तर ब्लॉक के उल्लास कार्यक्रम के प्रभारी सुशील कुमार तिवारी एबीईओ बस्तर द्वारा उल्लास परीक्षा केंद्रों के केंद्र प्रभारियों एवं पर्यवेक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में महापरीक्षा के सुचारु संचालन, परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक पंचायत में सर्वे के माध्यम से असाक्षर व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है तथा उन्हें साक्षरता के इस महाअभियान से जोड़ते हुए आगामी उल्लास महापरीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी पंचायतों में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। केंद्र प्रभारियों और पर्यवेक्षकों को परीक्षा संचालन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक असाक्षर व्यक्तियों को इस महापरीक्षा में शामिल कराने के लिए प्रेरित करने को कहा गया।

उल्लास महापरीक्षा का मुख्य उद्देश्य समाज में साक्षरता को बढ़ावा देना तथा असाक्षर व्यक्तियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस महाअभियान के माध्यम से लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को उल्लास साक्षरता की शपथ भी दिलवाई गई।

हाटकोंगेरा की बैठक में नशाखोरी और धर्मांतरण पर आर्थिक दंड का फरमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हाटकोंगेरा

ग्राम हाटकोंगेरा में ग्रामवासियों द्वारा बैठक रखी गई। बैठक में गांव में नशखोरी के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए सर्वसम्मति से शराब, गांजा, जुआ पर रोक लगाने के लिए निर्णय लिया गया।

ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि शराब बनाने व बेचते पाए जाने पर 20 हजार रूपएं का अर्थदण्ड लिया जाएगा। शराब बेचने की जानकारी देने वाले को 5 हजार रूपएं ईनाम के रूप में दिया जाएगा, गांजा बेचते पाए जाने पर 50 हजार रूपएं का अर्थदण्ड व जानकारी देने वाले को 10 हजार रूपएं ईनाम दिया जाएगा, जुआ खेलते पाए जाने पर प्रत्येक जुआरी को 20 रूपएं का अर्थदण्ड व जानकारी देते वाले को 5 हजार रूपएं दिया जाएगा, शराब पीकर हुडदंग करने पर 20 हजार रूपएं, रात 10 बजे के बाद गांव में बेवजह घूमते पाए जाने पर 10 हजार रूपएं का अर्थदण्ड लिया जाएगा। मूल धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने वालों के लिए ग्राम हाटकोंगेरा के ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि गांव में ईसाई धर्म मानने वाले के यहां कोई आना जान नही करेगा, उन्हे किसी भी कार्य में नही बुलाया जाएगा, उनके यहां कोई काम करने नही जाएगा, बाजार में पसरा भी नही लगाएंगे, गांव के कोई भी व्यक्ति उन लोगो से कोई लेन देन नही करेगा। अगर इस फरमान का पालन नही करने पर ग्राम पंचायत के द्वारा अर्थदण्ड लिया जाएगा। धर्मांतरित परिवार के व्यक्ति की मौत होने पर गांव में कफन दपुर करने नही दिया जाएगा।

बस्तर संभाग के सैकड़ों शिक्षकों के लिए पदोन्नति का रास्ता हुआ आसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

बस्तर संभाग के शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर सामने आई है। संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय, बस्तर संभाग द्वारा पदोन्नति संबंधी पूर्व में जारी निर्देशों में आवश्यक आंशिक संशोधन किया गया है। इस निर्णय से उन सैकड़ों शिक्षकों को राहत मिली है, जो अध्ययन केंद्र द्वारा जारी सूची की अनिवार्यता के कारण पात्र होने के बावजूद पदोन्नति से वंचित हो रहे थे।

- **शालेय शिक्षक संघ के प्रयासों से पदोन्नति नियमों में आंशिक संशोधन**

पूर्व में जारी निर्देशों के कारण बस्तर संभाग के कई शिक्षक, जिनकी सेवा पुस्तिका में डीपीई डिप्लोमा एवं डीएड जैसी व्यावसायिक योग्यता दर्ज थी अथवा जिनके पास योग्यता होने के बावजूद सेवा पुस्तिका में इंद्राज नहीं हो पाया था, उन्हें अपात्र की श्रेणी में रखा जा रहा था। इससे शिक्षकों के बीच असमंजस और चिंता की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस गंभीर विषय को शालेय शिक्षक संघ, जिला इकाई दंतेवाड़ा द्वारा प्रमुखता से उठाया गया। संघ के जिला अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने लगातार उच्च अधिकारियों से संवाद स्थापित कर विषय को तथ्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया तथा समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए। उनके सतत प्रयासों और समन्वित पहल के परिणामस्वरूप संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा पदोन्नति संबंधी निर्देशों में आवश्यक संशोधन किया गया। संशोधित निर्देशों के अनुसार अब जिन शिक्षकों की सेवा पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ में व्यावसायिक योग्यता दर्ज है तथा उनकी अंकसूची उपलब्ध है, उन्हें पदोन्नति के लिए पात्र माना जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन शिक्षकों के पास व्यावसायिक डिप्लोमा अथवा डिग्री उपलब्ध है, लेकिन सेवा पुस्तिका में उसका इंद्राज नहीं हुआ है, उनसे अंडरटेकिंग प्रमाण पत्र लेकर भी उन्हें पदोन्नति हेतु पात्र माना जाएगा। इस निर्णय से बस्तर संभाग के सैकड़ों शिक्षकों को राहत मिली है तथा उनकी पदोन्नति की राह अब काफी हद तक सरल हो गई है।

पंचायतों को अधिकार और राशि दिए बिना कैसे बनेंगे आदर्श ग्राम : ध्रुव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोण्ड/घाटलोहंगा

पूर्व सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव श्यामकुमारी ध्रुव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विधानसभा भवन स्थित कार्यालय में जशपुर जिले से चार दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर आए सरपंचों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर पंचायतों के विकास पर चर्चा करने के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सरपंचों को ग्रामीण विकास की धुरी बताते हुए कहा कि वे स्वयं भी पंच और सरपंच के रूप में जनसेवा की यात्रा से जुड़े रहे हैं और पंचायतों के विकास के लिए समर्पण और जज्बा हो तो गांवों में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अध्ययन भ्रमण से मिली सीख और अनुभव को सरपंच अपने-अपने गांवों में लागू कर पंचायतों को आदर्श बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। जिस तरह मुख्यमंत्री अपने गृह जिला जशपुर के सरपंच संघ के पदाधिकारियों से मिलकर गांवों में चल रहे कार्यों और आदर्श ग्राम बनाने की बात करते हैं, यदि वे इसी प्रकार सभी जिलों और ब्लॉकों के सरपंचों से भी संवाद करें तो यह स्वागत योग्य कदम होगा। आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा शासन में ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की स्वीकृति नहीं दी जा रही है और न ही नए कार्यों को मंजूरी देने की कोई पहल दिखाई दे रही है। पंचायतों के लिए सबसे महत्वपूर्ण 15वीं वित्त आयोग की राशि भी अब तक पंचायतों के खातों में जारी नहीं की गई है, जिससे गांवों में विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

गणक-प्रगणकों का विशेष प्रशिक्षण 17 और 19 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

तहसील दुर्गूकोंदल में जनगणना 2026 के सफल संचालन को लेकर 17 एवं 19 मार्च को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दुर्गूकोंदल जनपद पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित होगा, जिसमें जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेंगे। इस संबंध में तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी कुलदीप ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण का समय सुबह साढ़े 10 बजे से निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से गणना कार्य से जुड़े कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया, सर्वेक्षण पद्धति, आंकड़ों के संकलन और आवश्यक दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण में ब्लॉक स्तर के कुल 157 गणक, 157 प्रगणक, 21 रिजर्व प्रगणक, 28 सुपरवाइजर तथा 5 रिजर्व सुपरवाइजर शामिल होंगे। इन सभी को जनगणना से संबंधित कार्यों के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी और कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स मनीष गौतम, बाबूलाल कोमरे और दिग्विजय सलामे द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं तहसील कार्यालय से सहायक ग्रेड-2 श्यामसिंह उसेंडी और गजेंद्र सोनवानी भी उपस्थित रहेंगे और प्रशिक्षण व्यवस्था में सहयोग करेंगे।

खबर संक्षेप

6 लीटर शराब जब्त ग्रामीण पर कार्रवाई

कांकेर। चारामा पुलिस ने 12 मार्च को छापामार कार्यवाही करते हुए दरगहन निवासी 32 वर्षीय अखिलेश यादव पिता स्व. बोधीराम यादव के कब्जे से 6 लीटर महुआ शराब कीमत 750 रूपएं को जप्त किया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आरोपी अपने घर में अवैध रूप से निर्माण किया हुआ कच्ची शराब को अपने पास रखा था और बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में थे। मुखबिर से सूचना पर छापामार कार्यवाही में आरोपी पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

घायल की मौत पर मर्ग कायम

कांकेर। थाना कांकेर बिना नंबरी मर्ग डायरी प्राप्त होने पर असल नंबरी मर्ग कायम किया गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृतक कोण्डागांव जिला के बोरगांव निवासी 35 वर्षीय मनीराम सलाम पिता कुल्लेराम सलाम दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। इलाज के लिए रायपुर के अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उसका 16 जनवरी को मौत हो गया।

बुजुर्ग की डूबने से मौत, मर्ग कायम

कांकेर। सरोना थानांतर्गत देवरीबालाजी निवासी 84 छतरूराम सलाम पिता स्व. दुकालू राम सलाम का पानी में डूब जाने से मौत हो गया। मृतक के परिजन ने पुलिस को बताया कि मृतक 12 मार्च को तालाब में डूब गया, जिसके कारण उसका मौत हो गया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

महिलाओं और युवाओं ने निकाली रैली, दरिंदों को फांसी देने की जोरदार मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

छः वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की अमानवीय घटना ने पूरे कांकेर को झकझोर कर रख दिया है। इस जघन्य अपराध के खिलाफ शुक्रवार को शहर में गुस्से और दर्द का सैलाब सड़कों पर उतर आया। सुबह महिलाओं के एक बड़े समूह ने कलेक्टोरेट पहुंचकर आरोपियों को फांसी देने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा, वहीं दोपहर बाद कांकेर वॉलंटियर्स के नेतृत्व में शहर में आक्रोश रैली निकालकर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई। शुक्रवार 13 मार्च की शाम ठीक 4 बजे कॉलेज के पास से कांकेर वॉलंटियर्स की रैली की शुरुआत हुई। रैली में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए, जिनके चेहरों पर गहरा आक्रोश और आंखों में पीड़ा साफ झलक रही थी।

मासूम से गैंग रेप पर कांकेर की जनता बिफरी

फांसी से कम मंजूर नहीं

सुबह के समय भी शहर की महिलाओं का एक बड़ा समूह शहर में रैली निकालते हुए कलेक्टोरेट पहुंचा और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग की। महिलाओं का कहना था कि ऐसी अमानवीय घटना को अंजाम देने वालों के लिए केवल फांसी की सजा ही न्याय है। फांसी के अलावा कोई सजा मंजूर नहीं है।

"मासूम को न्याय दो", "दरिंदों को फांसी दो" जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए आगे बढ़ी, जहां जगह-जगह व्यापारियों और आम नागरिकों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। रैली में शामिल युवाओं ने कहा कि यह घटना सिर्फ एक बच्ची के साथ हुआ अपराध नहीं, बल्कि पूरे समाज और बेटियों की सुरक्षा पर हमला है। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन से मांग की कि ऐसे जघन्य मामलों में त्वरित न्याय की व्यवस्था हो और दोषियों को जल्द से जल्द कठोरतम सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी हैवानियत करने की हिम्मत न कर सके। विदित हो कि पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश बना हुआ है।

प्रशिक्षण : युवा छात्र-छात्राओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा

पूना परियान नई उड़ान, सेना और पुलिस में भर्ती की निःशुल्क तैयारी का सुनहरा अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- चयन के लिए काउंसिलिंग 1 अप्रैल को

जिला उत्तर बस्तर कांकेर के युवाओं को सेना, पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल पूना परियान नई उड़ान प्रारंभ की जा रही है। यह पहल कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर तथा जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी के निर्देशन में संचालित की जा रही है। कार्यक्रम के संचालन में जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद और जिला मिशन समन्वयक डीएमसी नवनीत पटेल का मार्गदर्शन रहेगा।

इस योजना के माध्यम से जिले के ऐसे युवा छात्र-छात्राओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा जो पुलिस विभाग में एसआई भर्ती, पुलिस आरक्षक भर्ती, भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती, थल सेना, जल सेना, वायु सेना भर्ती, एनडीए परीक्षा तथा वनरक्षक भर्ती में शामिल होना चाहते हैं। जिला

प्रशासन द्वारा इन सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण फिजिकल टेस्ट की तैयारी निःशुल्क कराई जाएगी। इस योजना के अंतर्गत पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। वहीं चयन के लिए काउंसिलिंग 1 अप्रैल 2026 को सुबह 9 बजे से आयोजित की जाएगी। यह काउंसिलिंग दो स्थानों पर होगी, जिसमें पहला केंद्र ग्राम चौगेल मूल्ला विकासखंड भानुप्रतापपुर में होगा, जो भानुप्रतापपुर से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर दल्ली रोड स्थित है। दूसरा केंद्र जिला मुख्यालय कांकेर के सिंगारभाट स्थित वृहद खेल मैदान परिसर में बनाया गया है, जो ज्ञानी चौक से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जिला प्रशासन द्वारा इस प्रशिक्षण को पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिसमें ओपन जिम, विशाल खेल मैदान, निःशुल्क हॉर्स राइडिंग प्रशिक्षण, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा शारीरिक प्रशिक्षण, स्वीमिंग पूल की सुविधा तथा मेंटल एबिलिटी परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग शामिल है। जिला प्रशासन का उद्देश्य युवाओं को सही मार्गदर्शन और व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीय सेवाओं में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा युवाओं को दौड़, शारीरिक दक्षता, अनुशासन, मानसिक क्षमता और लिखित परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी, जिससे वे विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सफल हो सकें।

इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं हेल्पलाइन नंबर 7389562231 एवं 62544092516 पर संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाते हुए समय पर पंजीयन कराएं और अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं। जिला प्रशासन की यह पहल निश्चित रूप से जिले के युवाओं को सेना और पुलिस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में करियर बनाने का नया अवसर प्रदान करेगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

बांगाबारी में 5 वीं-8वीं के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बासनवाही

प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय बांगाबारी में कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें गीत, नृत्य और भाषण के माध्यम से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी, जिससे विद्यालय परिसर तालियों की गूंज से भर उठा। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। शिक्षक डिकेश कुमार साहू ने कहा कि विद्यार्थी जीवन ही भविष्य की मजबूत नींव होता है। इस समय की गई मेहनत और अनुशासन आगे चलकर जीवन में सफलता दिलाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और ईमानदारी के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की सलाह दी। प्रधान अध्यापक चमर सिंह भास्कर ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय से विदाई लेना जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढ़कर अपने गांव और परिवार का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों एवं उपस्थित अतिथियों के लिए न्योता भोज का भी आयोजन किया। विद्यालय परिवार की ओर से कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षक यमसिंह मसियारे, हीरेन्द्र कुमार साहू, ब्रम्हा नेताम, मनोज नेताम, अमीना मंडावी, सीमा साहू, दशरथ नेताम, शैलेश नेताम सहित पालकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भुसकी-पण्डगाल सड़क निर्माण मंजूर 4.86 करोड़ से बनेगा साढ़े चार किमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम भुसकी से पण्डगाल तक लगभग साढ़े चार किमी. सड़क निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल गई है। लगभग 4 करोड़ 86 लाख रुपए की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्र के आवागमन को सुगम बनाएगी। इस महत्वपूर्ण कार्य की स्वीकृति विधायक सावित्री मनोज मंडावी के प्रयासों से संभव हो पाई है, जिसे क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भुसकी से पण्डगाल मार्ग की हालत लंबे समय से खराब होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से बारिश के मौसम में यह मार्ग कीचड़ और गड्ढों से भर जाता था, जिससे स्कूली बच्चों, किसानों और आम ग्रामीणों को भारी परेशानी होती थी। ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने शासन स्तर पर लगातार पहल की, जिसके परिणामस्वरूप अब इस सड़क निर्माण को स्वीकृति मिल गई है। सड़क बनने से भुसकी, पण्डगाल सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों को अपने कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक ग्रामीणों की पहुंच भी बेहतर हो सकेगी। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि सड़क निर्माण से गांवों में विकास की रफ्तार तेज होगी। पण्डगाल से सुहानी-खेड़ेगांव तक लगभग दो किमी. सड़क निर्माण की स्वीकृति अभी शेष है। इस मार्ग के लिए भी विधायक लगातार प्रयास कर रही हैं। हाल ही में बजट सत्र के दौरान इस सड़क के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। विधायक मंडावी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि शेष सड़क की स्वीकृति के लिए भी शासन स्तर पर प्रयास जारी हैं।

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पदयात्रा, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

क्षेत्रीय विकास की मांग को लेकर विकासखंड दुर्गुकोंदल के तीन ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने शुक्रवार 13 मार्चा को पदयात्रा निकालकर अपनी आवाज बुलंद की। ग्राम पंचायत साधुमिचगांव, कोण्डे और सराधुघमरे के ग्रामीण सुभानी खेडेगांव से ब्लॉक मुख्यालय दुर्गुकोंदल तक पैदल मार्च करते हुए पहुंचे और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

पदयात्रा दुर्गुकोंदल बस स्टैंड पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई, जहां जिला पंचायत सदस्य देवलाल नरेटी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के कई गांव आज भी सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्यों को जल्द स्वीकृति दी जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। सभा के बाद ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार दुर्गुकोंदल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्राम पंचायत कोण्डे से सुभानी खेडेगांव होते हुए भूसकी तक लगभग 7 किमी. प्रधानमंत्री सड़क निर्माण की स्वीकृति की मांग, कोण्डे में पहली से बारहवीं तक बालक-बालिका आवासीय विद्यालय और छठवीं से बारहवीं तक छात्रावास स्थापित करने, कोण्डे में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति की स्थापना की मांग की गई, ताकि किसानों को खाद, बीज और ऋण आसानी से उपलब्ध हो सके। ग्राम पंचायत सराधुघमरे के अंतर्गत मेटाघमरे से दोड़काएन्हुर तक 4 किमी. प्रधानमंत्री सड़क निर्माण और दोड़काएन्हुर में उपस्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, मेटाघमरे से हुलघाट पहुंच मार्ग की नदी पर दो पुलिया निर्माण तथा साधुमिचगांव से ओडाहुर होते हुए गरदा तक 6 किमी. मीटर सड़क निर्माण, भूसकी में पूर्व माध्यमिक शाला, भूसकी से पड़गल तक 4 किमी. सड़क और साधुमिचगांव में पहली से आठवीं तक कन्या आश्रम की स्वीकृति की मांग की।

इस दौरान धनसाय हुर्रा, मुकेश गावड़े, प्रेमसिंह पुडो, मनेसिंह सलाम, कुबेर दर्रो, शंकर जैन, राजेश गोटा, दीपक कल्लो, बल्दू दर्रो, विजय कोमरा, विष्णु कोवाची, नंदकुमार गुरुवर, मानसू आंचला, सूरजू हुर्रो, रजमान यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संगठन विस्तार और प्रशिक्षण महाभियान पर भाजपा मंडल की बैठक में रणनीति हुई तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

भारतीय जनता पार्टी मंडल सरोना में संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान को सफल बनाने को लेकर व्यापक चर्चा की।

आयोजित बैठक की शुरुआत स्वागत कार्यक्रम से हुई। इस दौरान मंडल प्रभारी और नवनियुक्त पदाधिकारियों का तिलक लगाकर तथा भाजपा का गमछा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ सहभागिता निभाई। परिचयात्मक बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपना-अपना परिचय दिया और अपने क्षेत्रों में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस दौरान पार्टी के आगामी कार्यक्रमों, संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। बैठक का मुख्य विषय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की तैयारियों को लेकर रहा। इस महाभियान

के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, नीतियों और संगठनात्मक कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और विभिन्न स्तरों पर तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मंडल प्रभारी डॉ. देवेंद्र साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार भारतीय जनता पार्टी की मूल प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सेवा की भावना को पहुंचाना है और प्रशिक्षण महाभियान इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। भाजपा मंडल सरोना के अध्यक्ष टेकेश्वर सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है और संगठन की मजबूती ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन की रीढ़ बताते हुए सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला मंत्री संजय सिन्हा, भाजयुमो जिला अध्यक्ष संजू गोपाल साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष तारा ठाकुर, पूर्व जिला मंत्री हीरा मरकाम, जीवन नेताम, यशवंत सुरोजिया, अमरीका नेताम, चिंतामणि रामटेके, अशोक निषाद, राजेश कलिहारी, किशोर भास्कर, कन्हैया नेताम सहित मंडल, जिला और प्रदेश स्तर के अनेक पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक दृष्टि से यह समय है स्वर्ण काल

सूर्य के मीन राशि में प्रवेश के साथ शुरू होगा खरमास, एक माह तक नहीं होंगे शुभ कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

हिंदू कैलेंडर के अनुसार साल में दो बार आने वाला वह समय फिर करीब है जब सौर जगत के राजा सूर्य अपने गुरु बृहस्पति की शरण में जाते हैं। इसे खरमास या मलमास कहा जाता है। 15 मार्च 2026 से खरमास का आगाज होने जा रहा है, जिसके साथ ही शादी-ब्याह, गृह प्रवेश और मुंडन जैसे सभी शुभ कार्यों पर पूरे एक महीने के लिए विराम लग जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब सूर्य देव अपने गुरु बृहस्पति की राशियों धनु या मीन में प्रवेश करते हैं, तो उनका प्रभाव और तेज कुछ कम हो जाता है। सूर्य के कमजोर होने के कारण इस अवधि को मांगलिक कार्यों के लिए शुभ नहीं माना जाता। द्रिक पंचांग के मुताबिक, सूर्य 15 मार्च को सुबह 01 बजकर 08 मिनट पर मीन राशि में गोचर करेंगे, जिसे मीन संक्रांति भी कहा जाता है। खरमास का समापन 14 अप्रैल को होगा जब सूर्य मेष राशि में गोचर करेंगे। सूर्य सुबह में 9 बजकर 31 मिनट पर मेष राशि में पहुंचेंगे, तभी खरमास का समापन होगा। इसके बाद विवाह के शुभ मुहूर्त फिर से शुरू होंगे और शहनाइयों की गूँज एक बार फिर सुनाई देने लगेगी।

सूर्य 15 मार्च को दोपहर 1.08 बजे मीन राशि में करेंगे प्रवेश

इन कार्यों पर रहेगी पाबंदी

खरमास के दौरान कुछ विशेष कार्यों को टालने की सलाह दी जाती है, जिसमें विवाह और सगाई, नए घर में प्रवेश या नींव रखना वर्जित माना गया है, सोने-चांदी के आभूषण, नया वाहन या अचल संपत्ति खरीदना शुभ नहीं माना जाता, जनेऊ संस्कार और बच्चों के मुंडन जैसे संस्कार भी इस दौरान नहीं किए जाते।

आध्यात्मिक दृष्टि से है स्वर्ण काल

भले ही सांसारिक कार्यों के लिए इसे अशुभ माना जाए, लेकिन धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से खरमास का विशेष महत्व है। इस माह में भगवान विष्णु की आराधना, श्रीमद्भागवत गीता का पाठ और दान-पुण्य करना अत्यंत फलदायी होता है। मान्यता है कि इस समय किया गया जप और तप सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक पुण्य प्रदान करता है।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, छेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Cellage Tour
07 मई, 21 मई, 04 जून 2026
(10 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप)
मां मनोकामना देवी, पशुपतिनाथ, जनकपुर (सीता मैया का जन्म स्थान),
पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव, डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक),
राशि:-स्लीपर 13,500/-, 3 एसी 22,500/-, 2 एसी 25,500/- (+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411